वन जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद

सितम्बर 14 – 21, 2020

हिन्दी सप्ताह समापन समारोह

वन जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद संस्थान में 14 – 21 सितंबर, 2020 हिंदी सप्ताह मनाया गया। इस दौरान संस्थान में हिंदी क्विज एवं श्रुतलेख की दो प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। संस्थान में हिंदी के प्रचार प्रसार हेतु कर्मचारियों को कार्यात्मक हिंदी से अवगत करने और प्रशिक्षण हेतु दिनांक 15 से 21, सितंबर 2020 तक एक हिंदी प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक महोदय डॉ. गंगाधर वानोडे द्वारा किया गया। हिंदी सप्ताह समापन दिनांक 21.09.2020 को किया गया। डॉ. पंकज सिंह, वैज्ञानिक– सी एवं हिंदी प्रभारी ने हिंदी सप्ताह के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं और कार्यशाला के बारे में बताते हुए कार्यक्रम का संचालन किया।

इस अवसर पर श्री डी. जयप्रसाद, भा.व.से., निदेशक महोदय ने मुख्य अतिथि डॉ. गंगाधर वानोडे का स्वागत किया और हिंदी प्रशिक्षण के आग्रह को स्वीकार करने के लिए उनका धन्यवाद करते हुए उनसे हिंदी के प्रयोग पर अपने विचार व्यक्त करने का अनुरोध किया। डॉ. गंगाधर वानोडे महोदय ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि कर्मचारियों की हिंदी सीखने की उत्सुकता से काफी प्रभावित हुए और उन्होंने कर्मचारियों को हिंदी बोलने के साथ-साथ लिखने का भी अभ्यास करने का सुझाव दिया ताकि हिंदी टिप्पण में सभी सहजता से कार्य कर सकें। तत्पश्चात प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण किया गया– पहली प्रतियोगिता श्रुतलेख में श्रीमती जी. मौनिका, तकनीशियन ने पहला स्थान, श्री. जी. विनय गौड़, तकनीशियन ने दूसरा स्थान और सुश्री. एन. अर्चना, कनिष्ठ लिपिक ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। दूसरी प्रतियोगिता हिंदी क्विज में श्री. यशवंत रेड्डी, तकनीशियन और श्री. ई. मनिकंता रेड्डी, तकनीशियन दोनों ने पहला स्थान प्राप्त किया, श्री. जी. विनय गौड़, तकनीशियन, सुश्री. एन. अर्चना, कनिष्ठ लिपिक एवं श्रीमती डी. सोनी, एम्. टी. एस. तीनों ने दूसरा स्थान और श्रीमती जी. मौनिका, तकनीशियन ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में आगे बढ़ते हुए पिछले वर्ष में हिंदी के प्रचार- प्रसार हेतु जिन कर्मचारियों ने अपना योगदान दिया उनको प्रशस्ति पत्र से पुरस्कृत किया गया जिसमें तीनों कर्मचारी श्री. वरुण सिंह, तकनीशियन, सुश्री. एन. अर्चना, कनिष्ठ लिपिक, श्री. जी. विनय गौड़, तकनीशियन के द्वारा किये गए कार्यालय वैज्ञानिकी कार्यों के निष्पादन को सराहा गया। इसके पश्चात निदेशक महोदय ने मुख्य अतिथि डॉ. गंगाधर वानोडे महोदय को उनकी प्रशिक्षण सेवाओं द्वारा कार्यालय के कर्मचारियों को हिंदी प्रशिक्षण कार्यशाला से लाभान्वित करने हेतु एक प्रशस्ति पत्र दिया।

इस अवसर पर डॉ. रत्नाकर जौहरी, कार्यालय प्रमुख ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हिंदी हमारी लिंक (संपर्क) भाषा है। कार्यालय प्रमुख

महोदय ने उन कर्मचारियों को धन्यवाद दिया जिन्होंने अपना समय निकालकर प्रशिक्षण में भाग लिया और गंगाधर महोदय से अनुरोध किया कि वे लोग जो अपने कार्यभार की वजह से भाग न ले सके उनको आगे चलकर ऐसे ही प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन देते। साथ ही उन्होंने गंगाधर महोदय का धन्यवाद भी किया कि उन्होंने अपना बहुमूल्य समय निकालकर कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जिसका लाभ कर्मचारियों ने उठाया।

इसके पश्चात श्री. प्रवीन चव्हाण वैज्ञानिक–जी, शोध समूह समन्वयक ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हिंदी डॉ. गंगाधर महोदय के प्रशिक्षण से सबको बहुत लाभ मिला क्योंकि उन्होंने इतने स्पष्टता से सबको सिखाया और बताया कि किस तरह आमतौर पर सभी हिंदी लिखते वक़्त वर्तनी की छोटी-छोटी गलतियाँ करते हैं, उन गलतियों को सुधारकर शब्दों के मानक रूप से भी अवगत कराया। उन्होंने इस कार्यक्रम की पहल के लिए निदेशक महोदय का भी धन्यवाद किया और साथ ही डॉ. पंकज सिंह, वैज्ञानिक–सी को भी हिंदी के प्रति उनके कार्यों और योगदान के लिए धन्यवाद किया। डॉ. गंगाधर महोदय से भी उन्होंने आग्रह किया कि वे भारत सरकार की हिंदी संबंधित मानक किताबों की व्यवस्था कार्यालय के पुस्तकालय के लिए करें।

श्री डी. जयप्रसाद, भा.व.से., निदेशक महोदय ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि डॉ. गंगाधर वानोडे जी के उपस्थिति से कार्यालय के कर्मचारियों को हिंदी सीखने का सौभाग्य प्राप्त। निदेशक महोदय ने सबको यह भी बताया कि हिंदी के प्रचार–प्रसार एवं बहुल प्रयोग में बढ़ोतरी हेतु सभी संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी अनुकरणीय प्रयास और सराहनीय योगदान दे रहे हैं। निदेशक महोदय ने यह भी सुझाव दिया कि इच्छुक कर्मचारी राजभाषा के प्रशिक्षण कार्यक्रम– प्रबोध, प्रज्ञा एवं प्रवीण परीक्षाएं दे सकते हैं। निदेशक महोदय ने हिंदी सप्ताह एवं प्रशिक्षण कार्यशाला को सफल बनाने के लिए सभी को धन्यवाद दिया।

श्री प्रवीण चव्हाण वैज्ञानिक–जी, शोध समूह समन्वयक ने सभा गोष्ठी का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा की इस हिंदी सप्ताह के सफलता का श्रेय जो है वो सभी कर्मचारियों को जाता है और इस समारोह की विशेष कड़ी सभी प्रतिभागी हैं क्योंकि इन सबके बिना यह कार्यक्रम नहीं हो पाता। इसके साथ ही उन्होंने हिंदी सप्ताह समारोह एवं प्रशिक्षण कार्यशाला को सफलतापूर्वक कार्यान्वयित करने के लिए हिंदी प्रभारी डॉ. पंकज सिंह वैज्ञानिक–सी एवं श्री वरुण सिंह, तकनीशियन का धन्यवाद किया। श्री प्रवीण चव्हाण जी ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. गंगाधरवानोडे, क्षेत्रीय निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र का भी धन्यवाद किया कि वे अपना बहुमूल्य समय निकालकर कार्यालय के कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने हेतु हिंदी सप्ताह के अवसर पर संस्थान आये।

—— *** ——

कार्यक्रम की झलकियाँ

डॉ. पंकज सिंह, वैज्ञानिक– सी एवं हिंदी प्रभारी द्वारा कार्यक्रम का संचालन।

निदेशक महोदय द्वारा डॉ. गंगाधर वानोडे, क्षेत्रीय निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र का स्वागत करते हुए।

श्री. डी. जयप्रसाद, निदेशक द्वारा सालभर हिंदी में महत्वपुर्ण भूमिका निभाने हेतु पुरस्कार वितरण।

डॉ. गंगाधर वानोडे, क्षेत्रीय निदेशक द्वारा पुरस्कार वितरण।

श्री. डी. जयप्रसाद, निदेशक डॉ. गंगाधर वानोडे, क्षेत्रीय निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र को प्रशशित पत्र प्रदान करते हुए।

कार्यशाला की झलकियाँ

हिन्दी प्रशिक्षण कार्यशाला
15/09/2020 12:51

हिन्दी प्रशिक्षण कार्यशाला
IFB
हिन्दी सप्ताह
16/09/2020 13:04

18/09/2020 11:57

मीडिया कवरेज

हिंदी मिलाप

हिन्दी मिलाप

वन जैव विविधता संस्थान में मनाया गया हिन्दी सप्ताह

हैदराबाद, 22 सितंबर
(मिलाप ब्यूरो)

वन जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद में हिन्दी सप्ताह मनाया गया। इस दौरान संस्थान में हिन्दी प्रतियोगिता एवं श्रुतलेख की प्रतियोगिताएँ आयोजित की गयीं।

आज यहाँ जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, संस्थान में हिन्दी के प्रचार-प्रसार हेतु कर्मचारियों को कार्यात्मक हिन्दी से अवगत करने और प्रशिक्षण हेतु गत 15 से 21 सितंबर तक हिन्दी प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गयी, जिसमें केंद्रीय हिन्दी संस्थान, हैदराबाद केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. गंगाधर वानोडे ने प्रशिक्षण दिया। डॉ. पंकज सिंह (वैज्ञानिक-सी) ने मुख्य अतिथि डॉ. गंगाधर वानोडे का स्वागत किया।

डॉ. गंगाधर वानोडे ने अपने संबोधन में कहा कि वह कर्मचारियों की हिन्दी सीखने की उत्सुकता से काफी प्रभावित हुए और उन्होंने कर्मचारियों को हिन्दी बोलने के साथ लिखने का भी अभ्यास करने का सुझाव दिया, ताकि हिन्दी टिप्पण में सभी सहजता से कार्य कर सकें। तत्पश्चात पुरस्कार वितरित किए गए। श्रुतलेख प्रतियोगिता में जी. मोनिका (तकनीशियन) को प्रथम, जी. विनय गौड़ (तकनीशियन) को द्वितीय और एन. अर्चना (कनिष्ठ लिपिक) को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। हिन्दी क्विज प्रतियोगिता में यशवंत रेड्डी (तकनीशियन) और ई. मनिकंता रेड्डी (तकनीशियन) को प्रथम, जी. विनय गौड़ (तकनीशियन), एन. अर्चना (कनिष्ठ लिपिक) एवं डी. सोनी (एम.टी.एस.) को द्वितीय तथा जी. मोनिका (तकनीशियन) को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। गत वर्ष हिन्दी के प्रचार-प्रसार में योगदान देने वाले वरुण सिंह (तकनीशियन), एन. अर्चना (कनिष्ठ लिपिक) व जी. विनय गौड़ (तकनीशियन) को प्रशस्ति-पत्र से पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा निदेशक ने मुख्य अतिथि डॉ. गंगाधर वानोडे को स्मृति चिह्न के रूप में पौधा और प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया गया।

कार्यालय प्रमुख डॉ. रत्नाकर जौहरी ने अपने संबोधन में कहा कि हिन्दी हमारी संपर्क भाषा है। उन्होंने डॉ. गंगाधर वानोडे का धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रवीन चव्हाण (वैज्ञानिक-जी, शोध समूह समन्वयक) ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. गंगाधर के प्रशिक्षण से सभी को लाभ मिला है। कार्यक्रम की पहल के लिए उन्होंने निदेशक को धन्यवाद ज्ञापित किया।

डी. जयप्रसाद (भा.व.से., निदेशक) ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. गंगाधर वानोडे की उपस्थिति से कार्यालय के कर्मचारियों को हिन्दी सीखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने बताया की किस तरह केंद्रीय हिन्दी संस्थान के बारे में पता चला। उन्होंने सुझाव दिया कि इच्छुक कर्मचारी राजभाषा के प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रबोध, प्रज्ञा एवं प्रवीण परीक्षाएँ दे सकते हैं। उन्होंने हिन्दी सप्ताह एवं प्रशिक्षण कार्यशाला को सफल बनाने के लिए सभी को धन्यवाद दिया। प्रवीण चव्हाण ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

23 Sep, 2020 Page No. 15
Powered by : erelego.com

स्वतंत्र वार्ता

की मांग
स्ता रोका

ी कार्यकर्ताओं
सरकार खरीद
ी कार्यकर्ताओं
समय तुकाराम
ारों क्विंटल मूंग
र्यालय में निजी
ाई गई मूंग की
ऐसा करने से
ताया कि कुछ
न खरीदी करने
ी हो सका है।
ा पड़ रहा है।
लाख समझाने
सआई सुरेश ने
ो व आरडीओ
जानकारी दूंगा।
केया।

वन जैव विविधता संस्थान ने मनाया हिन्दी सप्ताह समारोह

केंद्रीय हिंदी संस्थान ने कर्मचारियों को दिया हिंदी प्रशिक्षण

हैदराबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद संस्थान में हिंदी सप्ताह समारोह मनाया गया। इस दौरान संस्थान में हिंदी क्विज एवं श्रुतलेख की दो प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। संस्थान में हिंदी के प्रचार प्रसार हेतु कर्मचारियों को कार्यात्मक हिंदी से अवगत करने और प्रशिक्षण हेतु हिंदी प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गयी, जिसमें केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. गंगाधर वानोडे ने कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया। इस अवधि पर डॉ. पंकज सिंह वैज्ञानिक-सी ने मुख्य अतिथि डॉ. गंगाधर वानोडे का स्वागत किया और उनसे हिंदी के प्रयोग पर अपने विचार व्यक्त करने का अनुरोध किया।

डॉ. गंगाधर वानोडे ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि कर्मचारियों की हिंदी सीखने की उत्सुकता से काफी प्रभावित हुए और उन्होंने कर्मचारियों को हिंदी बोलने के साथ-साथ लिखने का भी अभ्यास करने का सुझाव दिया ताकि हिंदी टिप्पण में सभी सहजता से कार्य कर सके। इसके बाद पुरस्कार वितरण किया गया। इसके पश्चात डॉ. गंगाधर वानोडे महोदय को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया और उन्हें एक प्रशस्ति पत्र दिया गया। डॉ. पंकज सिंह ने मुख्य अतिथि डी. जयप्रसाद, भा. व. से., निदेशक महोदय को अपने विचार व्यक्त करने का अनुरोध किया। डॉ. रत्नाकर जौहरी, कार्यालय प्रमुख ने कहा कि हिंदी हमारी लिंक (संपर्क) भाषा है। इसके पश्चात प्रवीन चव्हाण वैज्ञानिक-जी, शोध समूह समन्वयक ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हिंदी डॉ. गंगाधर के प्रशिक्षण से सबको बहुत लाभ मिला क्योंकि उन्होंने इतने स्पष्टता से सबको सिखाया और बताया कि किस तरह आमतौर पर सभी हिंदी लिखते वक्त वर्तनी की छोटी-छोटी गलतियाँ करते हैं, उन गलतियों को सुधारकर शब्दों के मानक रूप से भी अवगत कराया। डी.जयप्रसाद ने कहा कि डॉ. गंगाधर वानोडे के उपस्थिति से कार्यालय के कर्मचारियों को हिंदी सीखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। प्रवीण चव्हाण वैज्ञानिक-जी, शोध समूह समन्वयक ने सभा गोष्ठी का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि इस हिंदी सप्ताह के सफलता का श्रेय सभी कर्मचारियों को जाता है।